NaiDuniya (Indore),23rd November 2025, Page-Plus 4

आइआइटी इंदौर

40 सदस्यों के मंडल ने किया दौरा, विद्यार्थियों और शिक्षकों से की चर्चा

विदेश में रहने वाले भारतीयों ने शिक्षा व शोध को समझा

- आधुनिक शोध केंद्र, प्रयोगशाला भी देखी
- टीम ने नए अवसरों को सराहा भी

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : भारत जानो कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरी और तीसरी पीढ़ी के भारतीय मूल के 40 सदस्यों का दल शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में पहुंचा। इसका उद्देश्य प्रवासी भारतीय समुदाय के युवाओं को भारत की शिक्षा, तकनीक, अनुसंधान और विकास की उपलब्धियों से परिचित कराना है। निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने संबोधन किया। उन्होंने प्रतिनिधियों को संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों, वैश्विक शोध साझेदारियों और देश के विज्ञान–प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को लेकर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आइआइटी इंदौर वैज्ञानिक शोध और तकनीकी विकास को नए आयाम देने के लिए लगातार काम कर रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान के कई आधुनिक शोध केंद्रों और प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया, जिनमें उन्नत पदार्थ अनुसंधान केंद्र, मेकरस्पेस, चिकित्सा उपकरण एवं अनुसंधान उत्कृष्टता केंद्र और परिष्कृत उपकरण केंद्र शामिल थे। यहां उन्होंने रिसर्च प्रोजेक्ट्स के प्रदर्शन देखे और शोधकर्ताओं व छात्रों से चर्चा की। उन्हें रोबोटिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सतत ऊर्जा, अंतरिक्ष तकनीक, जीव विज्ञान और ग्रामीण विकास से जुड़े नवाचारों को समझा। संवाद सत्र के दौरान युवाओं ने भारत की तेजी से बढ़ती तकनीकी प्रगति और शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसरों की सराहना की। कई प्रतिनिधियों ने भविष्य में भारत के साथ शैक्षणिक सहयोग, इंटर्नशिप और शोध अवसरों की खोज में रुचि भी जताई। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम प्रवासी भारतीय युवाओं को भारत की संस्कृति, नवाचार व शिक्षा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दौरा कैंपस भ्रमण व सांस्कृतिक आदान-प्रदान के साथ समाप्त हुआ, जिसने प्रतिनिधियों को आइआइटी इंदौर के जीवंत वातावरण और छात्र जीवन की एक प्रेरक झलक प्रदान की।